



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 268]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 5, 1976/व्य० 15, 1898

No. 268]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 5, 1976/JYAISTHA 15, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th June 1976

S.O. 406(E)/TDRA/29B/76/2.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 98(E)/TDRA/29B/73/1 dated the 16th February, 1973, (hereinafter referred to as the principal notification), namely:

In Schedule I to the principal notification, after item No. 147, the following items shall be added namely:—

*148(a) Electric Motors upto 10 H.P. (7.5 K.W.) A.C. Single/Squirrel-cage induction Motors excluding the following:

- (i) Flame-proof motors
- (ii) Specially designed Motors for specific duties
- (iii) Variable speed motors such as pole-changing motors
- (iv) Loom/Textile motors.
- (v) Motors for hermetically sealed and semi-sealed compressors

(b) FHP motors 1/8 H.P.—A.C.10/3. Squirrel cage induction motors excluding the following:

- (i) Motors for hermetically sealed and semi-sealed compressors.
- (ii) Flame-proof motors.
- (iii) Loom/Textile motors.

149. Tea-chest Plywood.

150. Camel back (Tyre retreading material)."

2. In pursuance of sub-section (2) of section 29B of the said Act, the Central Government hereby specifies a period of six months from the date of publication of this notification in the Official Gazette as the period after the expiry of which no owner of any industrial undertaking, engaged in the manufacture of any article or articles added to the principal notification by paragraph 1, shall carry on the business of such undertaking except under and in accordance with a licence issued in this behalf by the Central Government, and in the case of a State Government, except under and in accordance with the previous permission of the Central Government.

[No. F. 12(109)/LP/73]

D K SAXENA, Jt. Secy

उद्योग और वाणिज्यिक पूर्ति मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 5 जून, 1976

का० प्र० 408 (ख)/आई० डी० प्रार० ए०/29ख/78/2.—केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 29ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के औद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं० का० प्र० 98 (ख)/आई० डी० प्रार० ए०/29ख/73/1, तारीख 16 फरवरी, 1973 में (जिसे इस में इसके पश्चात् मूल अधिसूचना कहा गया है) निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् —

मूल अधिसूचना की अनुसूची 1 में, मद सं० 147 के पश्चात् निम्नलिखित मद जोड़ी जाएगी, अर्थात् :—

"148(क) निम्नलिखित को छोड़कर 10 घ० श० (7 5 कि० वा०) तक की विद्युत मोटरें ए० सी० एकल/पिजरी प्रेरण मोटरें :—

- (i) ज्वालासह मोटरें ।
- (ii) विनिर्दिष्ट कर्तव्यों के लिए विशेष रूप से अधिकृत मोटरें ।
- (iii) घर चाल मोटरें अर्थात् घृण परिवर्तक मोटरें ।
- (iv) करवा/बल्ब मोटरें ।
- (v) समुद्रित और अर्धसमुद्रित संपीडकों के लिए मोटरें ।

(ख) निम्नलिखित को छोड़कर एक० ए० व० पी० मादरे 1/8 घ० श० —ए० सी० 10/3 पिजरी प्रेरण मोटरें ।

- (i) समुद्रित और अर्धसमुद्रित संपीडकों के लिए मोटरें ।
- (ii) ज्वालासह मोटरें ।

(iii) करघा/वस्त्र मोटरें ।

(149. चाय सन्तुलकची प्लाइवुड ।

150. कर्मल बैक (टायर रिट्रोफिटिंग पदार्थ) ”

2. केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 29ख की उपधारा (2) के अनुसरण में, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 6 मास की अवधि को, ऐसी अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिस की समाप्ति के पश्चात्, पैरा 1 द्वारा मुख्य अधिसूचना में जोड़ी गई किसी वस्तु या किन्हीं वस्तुओं के विनिर्माण में लगा हुआ किसी औद्योगिक उपक्रम का स्वामी, इस निमित्त केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई अनुज्ञप्ति के अधीन और अनुसार के सिवाय और राज्य सरकार की दशा में, केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन के अधीन और अनुसार के सिवाय, ऐसे उपक्रम का कारबार नहीं चलाएगा ।

[स० फा० 12(109)/एल०पी/73]

डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव ।

